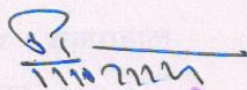


मिशन के समक्ष पेश किया है जो काबिल खारिजी है। अतः जबाब प्रार्थनापत्र पेश अर्ज है। कि प्रार्थनापत्र प्रतिवादीगण मय खर्चा खारिज किया जावे ।

योग्य अभिभाषकगणों की बहस सुनी गयी । पत्रावली में उपलब्ध दस्तावेजात का अवलोकन किया व योग्य अभिभाषकगणों की बहस पर मनन किया । मनन करने पर पाया गया कि प्रतिवादीगण द्वारा जो तीन दस्तावेजात दावा में प्रस्तुत करने हेतु पेश किये हैं उनमें से दस्तावेजात स0 1 व 2 प्रमाणित प्रस्तुत किये हैं तथा दस्तावेजात स0 3 फोटो काफी पेश की है। अतः प्रतिवादीगण की ओर जो प्रमाणित दस्तावेजात पेश किये हैं को स्वीकार किये जाने योग्य है।

अतः आदेश है कि प्रार्थनापत्र आदेश 8 नियम 1 सीपीसी दस्तावेजात स0 1 व 2 तक स्वीकार किया जाता है।

निर्णय खुले न्यायालय में सुनाया गया ।

  
उपखण्ड अधिकारी  
रूपवास

न्यायालय उपखण्ड अधिकारी रूपवास जिला भरतपुर

93/12

उनवान कप्तान बगै० बनाम पतरे बगै०  
प्रार्थनापत्र अन्तर्गत आदेश 8 निसम 1 सीपीसी

पीठासीन अधिकारी :- श्री सुरेन्द्र सिंह यादव आर०ए०एस उपखण्ड अधिकारी रूपवास

उपस्थित

- 1- श्री डूगरसहाय शर्मा अभिभाषक प्रार्थी / प्रतिवादीगण
- 2- श्री सन्तोष शर्मा अभिभाषक अप्रार्थी / वादीगण

निर्णय

दिनांक 11/07/14

सक्षेपतः प्रार्थनापत्र के तथ्य निम्न प्रकार है कि प्रतिवादीगण के अभिभाषक की ओर से प्रार्थनापत्र आदेश 8 नियम 1 सीपीसी पेश कर निवेदन किया है कि उपरोक्त उनवानी प्रकरण में प्रतिवादीगण द्वारा कुछ दस्तावेजात जबाब के साथ पेश करने के लिये प्राप्त नहीं हो सके थे लेकिन उन दस्तावेजों में वर्णित बातें अपने जबाब दावे में उल्लेखित की थी उन्ही दस्तावेजों के आधार पर ही प्रतिवादी के हक में खातेदारी अधिकार प्राप्त हुये है। तथा प्रतिवादी के हक में सह बड़े महत्वपूर्ण दस्तावेज है। जो कि न्याय निर्णय के लिये अत्यन्त महत्वपूर्ण है। उनको प्रतिवादीगणों द्वारा पेश किया जाना अत्यन्त आवश्यक है। जो दस्तावेजात पेश किये है वे निम्न प्रकार है।

- 1- नामान्तरकरण पंजिका ग्राम माड़ापुरा स० 30 दिनांक 10-6-71
- 2- नकल जमाबन्दी सम्वत 2067-70
- 3- बन्दोवस्ती किसान पर्चा नोटिस

अतः श्रीमानजी से निवेदन है कि दस्तावेज पेश किये जाने की आज्ञा फरमाई जावे।

प्रार्थनापत्र की नकल वादी अभिभाषक को दिलाई गई। वादीगण अभिभाषक द्वारा उक्त प्रार्थनापत्र का जबाब पेश कर दिवेदन किया है कि प्रार्थनापत्र प्रतिवादी नकल है। व काबिल खरिजी है। क्योंकि अब कोई भी दस्तावेजात रिकार्ड पर नहीं लिया जा सकता है। अपने विशेष विवरण में निवेदन किया है कि उक्त प्रकरण में उन्हीयात कायम की जा चुकी है। तर्नी कायम करने के उपरान्त अब किसी पक्ष का कोई भी दस्तावेज रिकार्ड पर नहीं लिया जा सकता है। अप्रार्थीगण ने उक्त प्रार्थनापत्र प्रकरण को देरीना करने की गरज से पेश किया है जो काबिल खरिजी है। उक्त प्रकरण की तारीख पेशी 4-9-13 नियत थी उक्त तारीख पेशी के दिन प्रार्थीगण ने अपनी साक्ष्य में 3 गवाहों के शपथपत्र न्यायालय श्रीमान के समक्ष पेश किये थे उक्त गवाहों को जानबूझकर लौटाने की गरज से यह प्रार्थनापत्र न्यायालय

11/07/14

उपखण्ड अधिकारी